



माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का छत्तीसगढ़ का गुण्डम दौरा



क्षेत्र के भाग्योदय का नया अध्याय

माननीय श्री अमित शाह, केन्द्रीय गृह मंत्री का गुण्डम दौरा इस क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक दौरा है। हालांकि यह एक चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी थी, परन्तु यह दौरा एक गौरवपूर्ण तथा सुखद अनुभव भी था। इस संकलन के माध्यम से हमारा प्रयास है कि इस दौरे के उन क्षणों को चिरस्मरणीय बनाया जाए।

परिकल्पना एवं मार्ग दर्शन

श्री देवेन्द्र सिंह नेगी, उप महानिरीक्षक



विशेष सहयोग

श्री कुलदीप सिंह,
उप कमाण्डेंट



संकलन एवं लेखन

श्री नीरज कुमार शर्मा,
सहायक कमाण्डेंट (मंत्रा)



अनुक्रमणिका

क्रम संख्या	विषय	पृष्ठ संख्या
1	माननीय श्री अमित शाह, केन्द्रीय गृह मंत्री के गुण्डम दौरे पर लेख	1-2
2	सुरक्षा व्यवस्था	3
3	माननीय श्री अमित शाह, केन्द्रीय गृह मंत्री के गुण्डम दौरे की झलक	4-11
4	माननीय श्री अमित शाह, केन्द्रीय गृह मंत्री की मानवीय संवेदना	12-13
5	ग्राम गुण्डम का विवरण	14-15
6	एफ0ओ0बी0 गुण्डम का महत्व एवं चुनौतियां	16-17
7	क्षेत्र का बदलता स्वरूप	18

माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री की गुण्डम यात्रा



केन्द्रीय गृह मंत्री, माननीय अमित शाह जी ने दिनांक 16 दिसम्बर 2024 को छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले की यात्रा की। यह यात्रा अपने आप में एक ऐतिहासिक यात्रा है, क्योंकि 16 दिसम्बर 2024 को माननीय अमित शाह जी ने उस क्षेत्र का दौरा किया है जो नक्सलियों का गढ़ कहा जाता है तथा जहाँ जाने की हिम्मत आज तक कोई बड़ा राजनेता नहीं कर पाया। हमारे लिए यह बड़े गर्व की बात है कि उनकी इस सफल यात्रा में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की अहम भूमिका रही है। सभी भ्रम और मान्यताओं को झुठलाते हुए, वे उस गाँव में पहुंचे जो नक्सलियों का गढ़ कहा जाता था और उस गांव का नाम है "गुण्डम"। माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री जी के इस दौरे के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए हमारे बल ने कई बलिदान और त्याग किए हैं।



माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री के इस क्षेत्र के दौरे से, बल के हर उस कार्मिक को सुखद और गौरवशाली अनुभूति हुई है, जो इस क्षेत्र में विषम परिस्थितियों में तैनात रहा।



माननीय मंत्री जी का यहां आना शायद किसी पुरस्कार अथवा पदक से कम नहीं है। माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री जी ने भी सुरक्षाबलों की भावनाओं को पूरा सम्मान दिया तथा अपने अति व्यस्त दैनिक दिनचर्या के बावजूद खुलकर जवानों के साथ समय बिताया। दौरे के दौरान निर्णय लिया गया कि बीजापुर, कोंटा, सुकमा एवं दांतेवाडा, प्रत्येक आप्स रेंज के परिचालन क्षेत्र में केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल को दो-दो बटालियनों के लिए जमीन आबंटित की जाए।

नक्सलवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए, वर्ष 2015 में भारत सरकार ने “National Policy on Left Wing Extremism” को जारी किया तथा उस पर आगे बढ़ी। उसी के समानान्तर, नक्सलवाद से लड़ने के लिए केन्द्रिय रिज़र्व पुलिस बल ने भी समय समय पर परिस्थिति अनुसार कई परिचालनिक रणनीतियां बनाईं। उसी क्रम में वर्ष 2020 में रणनीति का पुनरीक्षण करते हुए, चरणबद्ध तरीके से, अलग अलग एक्सिस पर “फार्वर्ड आपरेटिंग बेस” खोलने का निर्णय लिया और कई फार्वर्ड आपरेटिंग बेस खोले, जो नक्सल उन्मूलन का मार्ग प्रस्सत करते गए। जिनमें से “गुण्डम फार्वर्ड आपरेटिंग बेस” एक अति महत्वपूर्ण बेस है।

सुरक्षा व्यवस्था

माननीय केन्द्रिय गृह मंत्री का यह दौरा सुरक्षा की दृष्टि से बड़ा संवेदनशील था और सुरक्षाबलों के लिए यह एक बड़ी चुनौती था। सुरक्षा व्यवस्था में कई एजेंसियां शामिल थी, जिसमें केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की महत्वपूर्ण भूमिका थी। यह क्षेत्र केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सेंट्रल जोन - छत्तीसगढ़ सैक्टर-बीजापुर परिचालनिक रेंज के परिचालनिक क्षेत्र में आता है:

श्री अमित कुमार,
अपर महानिदेशक, सेंट्रल जोन



श्री राकेश अग्रवाल,
महानिरीक्षक छत्तीसगढ़ सैक्टर



श्री देवेन्द्र सिंह नेगी,
उप महानिरीक्षक बीजापुर परि० रेंज



अतः इन कार्यालय के शीर्ष नेतृत्व के कंधों पर एक बड़ी जिम्मेदारी थी। इस पूरे कार्यक्रम के लिए सुरक्षा की जिम्मेदारी श्री देवेन्द्र सिंह नेगी, उप महानिरीक्षक, बीजापुर परिचालन रेंज को दी गई थी। इस कार्यक्रम के लिए किए गए सुरक्षा तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं की सभी ने खूब तारीफ की।

माननीय श्री अमित शाह,
केन्द्रीय गृह मंत्री के गुण्डम दौरे की एक झलक

हेलीपेड गुण्डम



गुण्डम कैम्प का प्रार्थना स्थल

प्रदर्शनी गैलरी

सी०आर०पी०एफ कैम्प गुण्डम



कमाण्डेंट 153 बटा०
के०रि०पु०बल, पुलिस
अधीक्षक बीजापुर तथा
कलेक्टर बीजापुर द्वारा
प्रेजेंटेशन दी गई ।

प्रेजेंटेशन देते हुए
कमाण्डेंट 153 बटा०
के०रि०पु०बल



सुरक्षाबलों के जवानों के बीच माननीय गृह मंत्री



एक पेड मां के नाम



गृह मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा समय सीमा पूरा होने के संकेत माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री जी को बार बार दिए जा रहे थे, परन्तु उन्होंने अपने व्यस्ततम कार्यक्रम के बावजूद, गांव वालों तथा सुरक्षाबल के जवानों को पूरा समय दिया।



आगुंतक रजिस्टर में टिप्पणी दर्ज करते माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री

गुण्डम गांव में माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री



सार्वजनिक वितरण प्रणाली के डिपो का उद्घाटन



प्राथमिक विद्यालय गुण्डम



सी०आर०पी०एफ द्वारा सिविक एक्शन कार्यक्रम के तहत चलाया जा रहा छोटे बच्चों के लिए स्कूल



मंत्री महोदय की मानवीय संवेदना

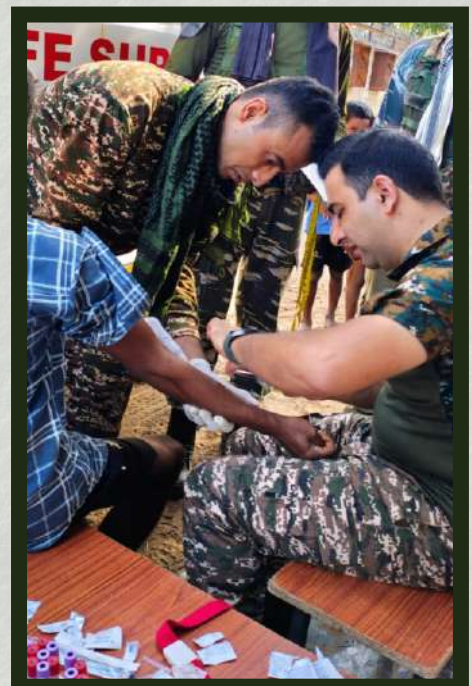
इस दौर के दौरान श्री अमित शाह, माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री स्थानीय लोगों से मिले तथा उनसे खुलकर बातचीत की, लोगों की बातें सुनी। इससे वहां के स्थानीय लोग बहुत खुश हैं तथा एक उज्जवल भविष्य के लिए आशान्वित भी।



मंत्री महोदय की मानवीय संवेदना तब सामने आई जब उन्होंने स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य में सुधार के कार्यक्रम तय करने के लिए, क्षेत्र के लोगों में पोषक तत्वों की कमी का पता लगाने के लिए, स्थानीय लोगों के खून की जांच के आदेश दिए। खून की जांच के इस कार्य की जिम्मेदारी केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल को दी गई थी। इसी क्रम में केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल द्वारा दूर दराज के गांव के निवासियों के खून की जांच की गई।



रक्त जांच शिविरों की कुछ तस्वीरें



गुण्डम: छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले का एक छोटा सा गांव क्यों खबरों में है

बीजापुर जिला मुख्यालय से 65 कि.मी. की दूरी पर स्थित है,
इसकी कुलआबादी 268 है ।

एक समय था जब गुण्डम, नक्सलियों के गढ़ के रूप में जाना जाता था। इस क्षेत्र में कुख्यात PLGA की 01 बटालियन सक्रिय थी। यहां पर इनका प्रशिक्षण केन्द्र तथा शहीदी स्मारक था। इस क्षेत्र में गुण्डम नाले को सुरक्षाबलों के लिए हदबन्दी माना जाता था। उसके पार का क्षेत्र PLGA की 01 बटालियन का गढ़ था तथा इस पूरे क्षेत्र में जगह जगह पर IED तथा Spike लगे हुए थे। सुरक्षाबलों के लिए इस क्षेत्र में आपरेशन के लिए जाना अति जोखिम भरा वा चुनौती पूर्ण था।





दिनांक 04 मार्च 2025 को गुण्डम गांव में मोबाइल टावर ने काम करना शुरू कर दिया है।
अब यह गांव भी संचार सुविधा के माध्यम से बाकी देश से जुड़ गया है।

फारवर्ड आपरेटिंग बेस गुण्डम का महत्व

- फारवर्ड आपरेटिंग बेस गुण्डम, नक्सलियों के गढ़ में उनको सीधी चुनौती है.
- चुटवही वा कोंडापल्ली कैम्प के लिए लांचपैड का काम किया
- नक्सलियों के बड़े समूह की आवाजाही पर अंकुश
- क्षेत्र के विकास कार्यों में गति आई, जिसमें सड़क, बिजली. संचार तथा शिक्षा व्यवस्था में सुधार शामिल है।

माओवादियों का स्मारक स्थल तथा प्रशिक्षण ग्राउण्ड

पहले



वर्तमान में



माओवादियों के पूर्व स्मारक स्थल
पर एक पेड़ मां के नाम

फारवर्ड आपरेटिंग बेस गुण्डम की चुनौतियां

- बाहरी कार्डन पर 03 बार हमला
- 23 आइ0ई0डी0 बरामद हुई.
- चिन्नगेलूर/तरेम के रास्ते में कई जल निकाय हैं, जिनके कारण मानसून में यह बेस अलग थलग पड जाता है।



बरसात के मौसम में सडक की स्थिति

क्षेत्र की बदलती तस्वीर



Hiroli to Kawadgaon

